दतिया की जनता से पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह ने कहा-

विकास और सांस्कृतिक वैभव भाजपा के नेतृत्व में ही संभव

स्टार प्रचारक पूर्व गृहमंत्री भूपेन्द्र सिंह का दतिया में चुनावी अभियान, सघन जनसम्पर्क

नवभारत न्यूज

दतिया, 26 जुलाई। पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह दतिया विधानसभा क्षेत्र के ग्राम उपरांय में आयोजित मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव की आमसभा में शामिल हुए और भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी के लिए जनसमर्थन मांगा। उन्होंने मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव के साथ ओरछा की प्रसिद्ध एतिहासिक धरोहर शीशमहल का अवलोकन किया। उन्होंने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के साथ सम्मेलन में हिस्सा लिया।

पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह ने दांगी क्षत्रिय समाज की बैठक ली जहां उनका समाजजनों ने भावपूर्ण स्वागत किया। दतिया में ब्रजरानी गार्डन में आयोजित दांगी क्षत्रिय समाज की बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि दतिया के विकास की पटकथा भाजपा की सरकार ने ही लिखी है। भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री डा मोहन यादव और क्षेत्र के वरिष्ठ नेता पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के मार्गदर्शन में दतिया के विकास को शिखर तक ले जाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार ही दतिया के विकास और सांस्कृतिक वैभव को आगे ले जा सकती है। सिर्फ विकास से ही क्षेत्र, समाज और परिवार की समृद्धि आती है। दतिया की जनता विवेकशील है और वह विकास के मार्ग को अच्छी तरह पहचानती है जो कि भाजपा के नेतृत्व में ही संभव है।

बैठक में उपस्थित सभी गणमान्य जनों ने भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी के समर्थन में अपना संकल्प स्पष्ट किया। बैठक को दतिया दांगी जिला पंचायत अध्यक्ष धीरू सिंह ने भी संबोधित किया। बैठक का मंच संचालन भगवत सिंह दांगी ने किया। तत्पश्चात् पूर्व मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने ग्राम रेड़ा सहित अनेक ग्रामों में जनसंपर्क कर ग्राम बैठकों में हिस्सा लिया और भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी के लिए जनसमर्थन मांगा।

दांगी क्षत्रिय समाज के सम्मेलन में माधव सिंह दांगी, भगवत सिंह दांगी, लल्लू सिंह दांगी, नाथूराम सिंह दांगी, गुलजारी सिंह दांगी, प्रशांत सिंह दांगी, रमेश दांगी, बृजभूषण सिंह दांगी, अरविंद सिंह दांगी, रामकुमार सिंह दांगी, एलएस दांगी, केपी दांगी, गौरव सिंह दांगी, रेशू दांगी, मुकेश सिंह दांगी, जीतू सिंह दांगी, केशव सिंह दांगी, राजेंद्र सिंह दांगी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य उपस्थित थे। ग्राम रेड़ा की बैठक में ग्राम रेड़ा जनसंपर्क माधव सिंह, धीरू सिंह जिला पंचायत अध्यक्ष दतिया, श्रीराम सिंह, बहादुर सिंह, रामकुमार सिंह, केशव सिंह, स्वामी शरण सिंह, राघवेन्द्र सिंह, वल्दन विश्वकर्मा, रामकृष्ण सिंह, पुरुषोत्तम सिंह, रामअवतार तिवारी, पप्पू पटेल सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

रास्ते के विवाद पर महिला से मारपीट, तीन के खिलाफ मामला दर्ज

ग्वालियर, 26 जुलाई। आंतरी थाना इलाके में रास्ते से निकलने को लेकर हुए विवाद में पड़ोसियों ने एक महिला के साथ गाली-गलौज कर मारपीट कर दी। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, पीड़िता प्रियंका कुशवाहा पत्नी राहुल कुशवाहा उम्र 20 वर्ष निवासी आंतरी ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता ने बताया कि बीती रात वह घर का सामान लेने के लिए दुकान पर जा रही थी। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले राजू कुशवाहा, शिम्भू कुशवाहा और विष्णु कुशवाहा ने उसे उनके घर के सामने से निकलने से रोक दिया और गाली-गलौज करने लगे। पीड़िता द्वारा विरोध करने पर तीनों आरोपियों ने उसके साथ मारपीट कर दी, जिससे वह घायल हो गई। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोगों को इकट्ठा होते देख आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है और मामले की जांच की जा रही है।

मथुरा जाने वाली ट्रेनों में श्रद्धालुओं का सैलाब

जनरल से लेकर आरक्षित कोच तक फुल

नवभारत न्यूज

ग्वालियर, 26 जुलाई। गुरु पूर्णिमा पर्व को लेकर मथुरा-वृंदावन जाने वाली ट्रेनों में भारी भीड़ उमड़ रही है। बीते रोज एकादशी से ही अंचल से बड़ी संख्या में श्रद्धालु गोवर्धन परिक्रमा और अपने गुरुओं का आशीर्वाद लेने के लिए रवाना हो रहे हैं, जिससे ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर दिनभर गहमागहमी बनी हुई है।

आलम यह है कि मथुरा की ओर जाने वाली सभी ट्रेनें खचाखच भरकर चल रही हैं। जनरल कोच में तो पांव रखने तक की जगह नहीं है, कई यात्री दरवाजे और पायदान पर लटक कर जान जोखिम में डालकर सफर करने को मजबूर हैं।

बढ़ती भीड़ को देखते हुए जीआरपी और आरपीएफ अलर्ट मोड पर आ गई है। प्लेटफार्मों पर अतिरिक्त बल तैनात कर लगातार गश्त की जा रही है और यात्रियों को सुरक्षित यात्रा को लेकर समझाइश दी जा रही है।

आरक्षित कोच में घुस रहे श्रद्धालु, विवाद की स्थिति : जनरल डिब्बों में जगह न मिलने से मथुरा जाने को आतुर श्रद्धालु आरक्षित कोचों में घुस रहे हैं। इससे पहले से रिजर्वेशन लेकर सफर कर रहे नियमित यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और रोजाना विवाद की स्थिति बन रही है।

भीड़ की अंधाधुंध में कई यात्री बिना जानकारी के ऐसी ट्रेनों में भी चढ़ रहे हैं जिनका मथुरा में स्टॉपेज ही नहीं है। ऐसे में ट्रेन के मथुरा न रुकने पर चेन पुलिंग की घटनाएं भी बढ़ गई हैं।

सिर्फ परिक्रमा ही नहीं, गुरु दर्शन भी है वजह

रेलवे अधिकारियों के अनुसार इस बार भीड़ की दो बड़ी वजहें हैं। आगामी 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा है। बड़ी संख्या में लोग गोवर्धन की परिक्रमा के लिए जा रहे हैं, वहीं मथुरा-वृंदावन में बड़ी संख्या में मठ-मंदिर और आश्रम होने से सैकड़ों लोगों ने वहां के महंतों को अपना गुरु बना रखा है। मुड़िया पूर्णिमा पर गुरु का आशीर्वाद लेने के लिए शिष्यों का सैलाब भी मथुरा की ओर कूच कर रहा है, यही कारण है कि ट्रेनों में यह असामान्य भीड़ देखने को मिल रही है।

टूटी पुलिया निर्माण को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

ग्वालियर, 26 जुलाई। आनंद नगर क्षेत्र में लंबे समय से टूटी पड़ी पुलिया के निर्माण की मांग को लेकर आज कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने धरना देकर शासन-प्रशासन से जल्द से जल्द पुलिया निर्माण की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द पुलिया का निर्माण नहीं किया गया तो यहां कभी भी बड़ी जनहानि हो सकती है। बताया गया कि इस क्षतिग्रस्त पुलिया के कारण पहले ही पशु हानि हो चुकी है और राहगीरों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

धरना प्रदर्शन में प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा के साथ ब्लॉक अध्यक्ष मनीष शर्मा, मंडल अध्यक्ष अशोक बग्गा, आशीष दुबे, एमएम शर्मा, विवेक शर्मा, भानु व्यास, आशीष शर्मा, विवेक पांडे, जितेंद्र दंडोतिया, राकेश शर्मा, अखिल गुप्ता, पारस जैन, बॉबी सिकरवार, शिवम राजपूत, जितेंद्र गुप्ता, रामचंद्र शर्मा, विजेंद्र शाक्य, घनश्याम गुड़ैले सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खाने के ऑर्डर को लेकर होटल संचालक व स्टाफ ने युवक को पीटा, मामला दर्ज

ग्वालियर, 26 जुलाई। माधौगंज थाना इलाके में एक होटल पर खाना पैक कराने गए युवक के साथ मारपीट का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि मामूली कहासुनी के बाद होटल संचालक ने अपने स्टाफ के साथ मिलकर युवक को होटल के बाहर लाकर लात-घूंसों से बेरहमी से पीटा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

जानकारी के मुताबिक, चिटनिस की गोठ निवासी करण शाक्य शनिवार रात को ईदगाह कंपू स्थित एक होटल पर खाना पैक कराने गया था। ऑर्डर को लेकर होटल संचालक से उसकी बहस हो गई। देखते ही देखते बहस ने झगड़े का रूप ले लिया और धक्का-मुक्की शुरू हो गई। आरोप है कि इसी दौरान होटल स्टाफ और वहां मौजूद कुछ अन्य लोगों ने संचालक का पक्ष लेते हुए करण को घेर लिया और उसे खींचकर होटल के बाहर ले गए। बाहर ले जाकर सभी ने मिलकर काफी देर तक उसकी पिटाई की, जिससे वह लहूलुहान हो गया। घायल अवस्था में ही करन सीधे माधौगंज थाने पहुंचा और आपबीती सुनाई। पुलिस ने उसकी हालत देखकर पहले मेडिकल परीक्षण कराया और उसके बाद शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली है।

वीडियो आया सामने : घटना के दौरान मौके पर भीड़ जमा हो गई थी। इसी दौरान किसी ने मारपीट का पूरा वीडियो अपने मोबाइल में कैद कर लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वायरल वीडियो पुलिस के पास भी पहुंचा है, जिसमें 4 से 5 लोग युवक को पीटते हुए साफ दिखाई दे रहे हैं। पुलिस का कहना है कि वायरल वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मल्हार के सुरों में भीग उठी संध्या पावस रागों ने रागायन की सभा को बनाया अविस्मरणीय

मियां की मल्हार से बरखा का भाव हुआ साकार, बांसुरी, खयाल और भजन की प्रस्तुतियों ने शास्त्रीय संगीत की गरिमा को दी नई उंचाई

नवभारत न्यूज

ग्वालियर, 26 जुलाई। जैसे ही राग मियाँ की मल्हार के स्वर वातावरण में गूंजे, लगा मानो सावन स्वयं सुरों का रूप धरकर सभा में उतर आया हो। शहर की प्रतिष्ठित सांगीतिक संस्था रागायन की मासिक संगीत सभा रविवार को सिद्धपीठ श्री गंगादास जी की बड़ी शाला, लक्ष्मीबाई कॉलोनी, लश्कर में शास्त्रीय संगीत की अनुपम प्रस्तुतियों के बीच संपन्न हुई। मल्हार की रिमझिम, बांसुरी की मधुर तान, खयाल गायन की गंभीरता और मीरा भक्ति की रसधारा ने पूरी संध्या को संगीत-साधना का उत्सव बना दिया। बड़ी संख्या में उपस्थित संगीत प्रेमियों ने कलाकारों की प्रस्तुतियों का भाव-विभोर होकर रसास्वादन किया।

मल्हार के सुरों में साकार हुआ पावस का मनोहर सौंदर्य

सभा का शुभारंभ युवा गायक सुजल जैन के सुमधुर गायन से हुआ। उन्होंने समयानुकूल राग मियाँ की मल्हार से ऐसा वातावरण रचा कि मानो मेघों की गूंज और वर्षा की फुहारें सुरों में उतर आई हों। उन्होंने एकताल की विलंबित बंदिश 'करीम नाम तेरो', तीनताल की मध्यलय बंदिश 'उमड़ घुमड़ घन गरजे बदरा' तथा द्रुत एकताल की बंदिश 'मोहम्मद शाह रंगीले' को परंपरागत गरिमा और भावपूर्ण अभिव्यक्ति के साथ प्रस्तुत किया। गायन का समापन राग तिलक कामोद की ठुमरी 'अबके सावन घर आ जा' से हुआ, जिसने श्रोताओं के मन में विरह और मिलन दोनों भावों की मधुर छाया बिखेर दी। तबले पर संजय राठौर और हारमोनियम पर विवेक जैन की सधी हुई संगत ने प्रस्तुति को और अधिक प्रभावी बनाया।

बांसुरी की तानों में झलकी राग दुर्गा की निर्मल आभा

सभा की दूसरी प्रस्तुति बांसुरी वादन की रही। वरिष्ठ कलाकार श्रीकांत कुलकर्णी ने राग दुर्गा का आलाप, जोड़ और झाला प्रस्तुत करते हुए श्रोताओं को राग की शुद्धता और सौंदर्य से परिचित कराया। समापन मिश्र पहाड़ी की मनोहारी धुन से हुआ, जिसने वातावरण को सहज और भावपूर्ण बना दिया। इस प्रस्तुति में उनके पुत्र श्रेयस कुलकर्णी ने बांसुरी पर तथा संजय राठौर ने तबले पर प्रभावी संगत निभाई।

बागेश्री की सुर लहरियों में गूंजा ग्वालियर घराने का वैभव

सभा की अंतिम प्रस्तुति दिल्ली से पधारे युवा गायक अनुरन दास गुप्त की रही, जो प्रख्यात गायिका शाश्वती मंडल के मार्गदर्शन में ग्वालियर घराने की गायकी का अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने राग बागेश्री में विलंबित एकताल की बंदिश 'सखी मन लागे न' तथा द्रुत तीनताल की बंदिश 'गूंद लाओ री मालनिया' प्रस्तुत कर अपनी साधना और स्वर-संयम का परिचय दिया। तबले पर पांडुरंग तैलंग और हारमोनियम पर विवेक जैन की संगत ने प्रस्तुति को पूर्णता प्रदान की।

मां सरस्वती व गुरु पूजन के साथ हुआ शुभारंभ

कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ रागायन के अध्यक्ष तथा सिद्धपीठ श्री गंगादास जी की बड़ी शाला के पीठाधीश्वर स्वामी रामसेवक दास जी महाराज ने मां सरस्वती एवं गुरु पूजन के साथ किया। इस अवसर पर डॉ. मुकेश सक्सेना, डॉ. अनूप मोघे, संजय देवाले, संजय आफले, हेमांग कोल्हटकर, श्रीमती मृणालिनी चौहान सहित बड़ी संख्या में संगीत साधक, कलाकार और शास्त्रीय संगीत के रसिक उपस्थित रहे।

नशा मुक्ति अभियान और भारत की युवा पीढ़ी

डॉ हरिशंकर कंसाना
(समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना, जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर)

इन दिनों युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के 'मादक पदार्थ नियंत्रण अभियान' और 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' (मध्यप्रदेश पुलिस और राज्य प्रशासन द्वारा वृहद नशामुक्ति जन-जागरूकता) जैसे अभियान वृहद रूप में चलाए जा रहा है। ये अभियान युवाओं और आम नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराने और उन्हें सुरक्षित-स्वस्थ भविष्य के लिए जागरूक करने हेतु स्कूलों, कॉलेजों, शासकीय- अशासकीय कार्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर पुलिस, उच्च शिक्षा, स्कूली शिक्षा, अन्य विभागों और एनसीसी, एनएसएस की रैलियों, संगोष्ठी, नुक्कड़ नाटक और शपथ ग्रहण कार्यक्रमों द्वारा आयोजित किया जा रहा है। स्वाभाविक है कि इस देश की 65ज आबादी युवा है इसलिए इस पूरे अभियान में युवाओं को ही केंद्र माना जा रहा है।

नशे की आदत प्राय: किशोरावस्था में ही पनपती हैं। जो किसी भी प्रकार के नशे का सेवन कर ले वह उसका गुलाम ही होकर रह जाता है। उत्सुकता, संगी साथियों का दबाव, देखा- देखी, पारिवारिक कलह व तनाव, अकेलापन, भावनात्मक उपेक्षा और पारिवारिक पृष्ठभूमि में घर वालों की नशे के प्रति स्वीकार्यता भी कारण बन जाती है। जिस प्रकार जलकुंभी के एक दो पौधे ही तालाब में तैरते नजर आते हैं और शुरू में सुंदर लगते हैं। सुंदर दिखते हैं तो हम भी उनका आनंद लेते हैं और धीरे-धीरे वे तालाब के सभी कोनों में फैल जाते हैं। एक डेढ़ वर्ष में ही पूरा तालाब हरा ही हरा दिखता है और उसका सारा जल छिप जाता है। छिपे हुए जल की ऑक्सीजन खत्म होने लगती है और बेचारी मछलियां भी मरने लगती हैं धीरे-धीरे पूरा पानी भी सड़ जाता है। मछली तो छोड़िए अन्य प्राणी भी तड़पने लगते हैं और तड़पते तड़पते मर जाते हैं। अब जलकुंभी की सड़ांध किलोमीटर तक फैल जाती है। कल्पना कीजिए कि इसका उपचार प्रारंभ में ही हो गया होता तो सैकड़ो हजारों लोगों को स्वच्छ जल देने वाला वह तालाब बर्बाद नहीं होता। यही स्थिति नशे के कुचक्र में फंसे हुए हमारे घर परिवार और मोहल्लों की होती है। वीरों की पुण्य भूमि पंजाब के 'उड़ता पंजाब' बनने की कहानी भी ऐसी ही रही होगी।

अब तीव्र शहरीकरण की प्रक्रिया में भौतिकवादी परिवेश ने युवाओं में अवसाद बढा दिया है। सोशल मीडिया के प्रभाव से युवाओं में दूसरों की जीवन शैली और संपत्ति की स्वयं से तुलना करके हीन भावना और असुरक्षा का जन्म होता है। 'सब कुछ अभी चाहिए' की मानसिकता, उपभोक्तावादी संस्कृति युवाओं को यह सिखाती है कि खुशी केवल चीजें खरीदने से मिलती है और फिर जब वे अपनी इच्छाओं को पूरा नहीं कर पाते तो तनाव का शिकार हो जाते हैं। आज सर्वत्र गहरे रिश्तों का अभाव है। भौतिकवादी सोच में लोग 'चीजों' को इंसानी रिश्तों और भावनाओं से ज्यादा महत्व देने लगते हैं। आज समाज में सफलता का मतलब केवल महंगी गाड़ियां, बड़ा घर और बैंक बैलेंस हो गया है। इस अंधी दौड़ में युवा अपने मानसिक स्वास्थ्य और वास्तविक खुशी को नजरअंदाज कर देते हैं। अवास्तविक जीवनशैली रील्स में दिखाई जाने वाली लग्ज़री ज़िंदगी, फिल्टर्स और परफेक्शन को देखकर युवा अपने सामान्य जीवन को कमतर आंकने लगते है। आज युवाओं के व्यक्तित्व में एक प्रकार की हड़बड़ाहट आ गई है। अब तो संयुक्त परिवारों का सुरक्षात्मक तंत्र भी नहीं तो ये प्रवृत्तियां हमारे युवाओं को नशे की ओर ले जा रही है। विश्वविद्यालयों के कैंपसों में कई युवा मानसिक संतुलन खोए हुए व्यक्ति की तरह संवाद करने लगते हैं और अच्छे विद्यार्थियों को भी अपनी कुसंगति की चपेट में ले लेते हैं। कई बार असामाजिक गतिविधियों में लिप्त समूहों द्वारा ऐसे विद्यार्थियों का दुरुपयोग हो जाता है। नीति शास्त्र में भी कहा है ' मूर्खस्तु परिहर्तव्य: प्रत्यक्षो द्विपद: पशु: ।भिनत्ति वाक्यशूलेन अदृश्यं कण्टकं यथा।' आज युवाओं को अपनी संगति सुधारने की आवश्यकता है क्योंकि जैसी संगत वैसी रंगत। विवेकहीन और नशे के गुलाम व्यक्तियों को 'दो पैर का पशु' मानकर दूर छोड़ देना चाहिए।

आज नशे का अंतरराष्ट्रीय व्यापार दुनियाभर में सबसे बड़े और संगठित काले बाजारों में से एक है जिसका वार्षिक कारोबार लगभग 3 ट्रिलियन (करीब 30 लाख करोड़ रुपए) से अधिक होने का अनुमान है। अपनी भौगोलिक स्थिति और विशाल बाज़ार के कारण भारत इस अवैध व्यापार का एक प्रमुख केंद्र और मार्ग बन गया है। भारत की संवेदनशील स्थितिगोल्डन क्रिसेंट और गोल्डन ट्रायंगल: भारत दुनिया के दो सबसे बड़े अवैध ड्रग उत्पादक क्षेत्रों के बीच स्थित है। पश्चिम में 'गोल्डन क्रिसेंट' (ईरान-अफगानिस्तान-पाकिस्तान) और पूर्व में 'गोल्डन ट्रायंगल' (म्यांमार-लाओस-थाईलैंड) से भारत में भारी मात्रा में ड्रग्स की तस्करी होती है। इसके अलावा समुद्री मार्गों और हवाई अड्डों का उपयोग भी अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट द्वारा किया जा रहा है।भारत में नशे की समस्या की भयावहता बढ़ती आबादी की चपेट में विभिन्न सरकारी और चिकित्सा रिपोर्टों के अनुसार, भारत की लगभग 20 प्रतिशत आबादी (10-75 वर्ष की उम्र के बीच) किसी न किसी रूप में नशे की गिरफ्त में है।पारंपरिक से सिंथेटिक ड्रग्स की ओर: शराब और तंबाकू के अलावा, देश में अब हेरोइन, स्मैक, कोकीन, और आइस जैसी घातक सिंथेटिक दवाओं का चलन तेजी से बढ़ रहा है। स्मरण कीजिए एक समय 'अफीम युद्ध 1839-1860' के माध्यम से ब्रिटेन द्वारा चीन की अर्थव्यवस्था में आंतरिक हस्तक्षेप किया गया था। नशे का व्यापार दूसरे देशों को गुलाम बनाने का बड़ा माध्यम बनता है। संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय की 2026 की रिपोर्ट में बताया गया है कि पूरे भारतवर्ष में बड़े स्तर पर धन शोधन, ऑनलाइन धोखाधड़ी, अवैध जुआ, बच्चों का ऑनलाइन यौन शोषण और मादक पदार्थों, हथियारों व मानव तस्करी जैसी संगठित आपराधिक गतिविधियाँ बढ़ रही हैं। आजकल तस्कर पकड़े जाने से बचने के लिए डार्क वेब और क्रिप्टो-करेंसी का भी इस्तेमाल कर रहे हैं।

'मद्यप सन कोउ करइ कि मिताई। कवँन कुचालि सुकवि जसु गाई।' नशा करने वाले का कोई मान सम्मान नहीं होता और उसकी बात का कोई मूल्य नहीं होता। इस प्रकार नशे की लत शारीरिक, मानसिक और सामाजिक बर्बादी का कारण बनती है। ये व्यक्ति के सोचने-समझने की क्षमता और निर्णय लेने की शक्ति को पूरी तरह नष्ट कर देता है। इसके कारण अच्छे-अच्छे परिवार टूट जाते हैं और समाज में अपराधों में वृद्धि होती है।

इसके साथ ही शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रभाव और गंभीर बीमारियाँ का जन्म होता है। अत्यधिक नशे से फेफड़े, हृदय रोग, लिवर खराब होना और कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियां हो सकती हैं । संक्रमण का खतरा: इंजेक्शन द्वारा ड्रग्स लेने या संक्रमित सुई का उपयोग करने से एचआईवी और हेपेटाइटिस जैसी बीमारियां होने का खतरा बढ़ जाता है। मानसिक और मनोवैज्ञानिक प्रभावमानसिक विकार: अवसाद , अत्यधिक चिंता, और सिजोफ्रेनिया जैसे गंभीर लक्षण दिखाई देने लगते हैं। केवल स्वास्थ्य ही नहीं देश की अर्थव्यवस्था को भी बड़ी चोट पहुंच रही है। नशे के कारण देश की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) को सालाना लगभग डेढ़ लाख करोड रुपए का नुकसान होता है।

अब नशे को रोकने के लिए हर जागरूक नागरिक की भूमिका हो सकती है इसलिए हम सभी को इसके प्रति जागरूक होना ही है। नशा-मुक्ति हेल्पलाइन- 14446 है। मानस हेल्पलाइन (परामर्श और मार्गदर्शन): 1933 है। मेंटल हेल्थ सर्विस (सुसाइड प्रिवेंशन / मानसिक स्वास्थ्य): 14416 और मध्य प्रदेश पुलिस (नारकोटिक्स विभाग): 7049100785 का संपर्क है। इस प्रचार प्रसार के लिए डिजिटली जागरूक युवा बड़ा काम कर सकते हैं। नशा मुक्ति केंद्र का मुख्य कार्य शराब, ड्रग्स और अन्यशीले पदार्थों की लत से पीड़ित व्यक्तियों को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने के लिए कार्य कर रहे हैं। ये केंद्र अनुशासित दिनचर्या और थेरेपी :मरीजों को योगा, मेडिटेशन, और व्यवहार सुधारने वाली थेरेपी के जरिए सकारात्मक आदतें सिखाते है। परिवारों की काउंसलिंग देना ताकि वे मरीज को ठीक होने के बाद सही सहयोग और माहौल दे सकें। Cognitive Behavioral Therapy और Group Therapy 'जैसे आधुनिक तरीकों को अपनाने वाले केंद्र ज्यादा सफल हो रहे हैं। एक बार नशे की लत लग तो छूटना कठिन है किंतु श्रीमद्भगवद्गीता के छठे अध्याय (ध्यानयोग) के श्लोक 35 में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं ''असंशयं महाबाहो मनो दुर्निग्रहं चलम्।अभ्यासेन च कौन्तेय वैराग्येण च गृह्यते।'' हे महाबाहु अर्जुन! इसमें कोई संदेह नहीं है कि मन बहुत चंचल है और इसे वश में करना कठिन है। लेकिन हे अर्जुन, इसे निरंतर अभ्यास (बार-बार कोशिश) और वैराग्य (मोह या बुरी इच्छाओं से दूरी) द्वारा वश में किया जा सकता है। इसलिए हम नशा मुक्त समाज के लिए आंतरिक जागरूकता, ध्यान और दृढ़ संकल्प के मेल से व्यक्ति मानसिक गुलामी और व्यसनों से मुक्ति पा सकते है।

आज नशे की यह प्रवृत्ति केवल व्यक्ति और समाज के नैतिक चरित्र में गिरावट नहीं ला रही अपितु राष्ट्रीय संपदा की क्षति और राष्ट्रीय सुरक्षा को निरंतर चुनौती प्रदान कर रही है। हम अपने युवाओं को नशे की चपेट से नहीं बचा पाए तो सिर धुनने और पछताने के अलावा कोई उपाय न बचेगा। सच ही कहा गया है कि समाज का सबसे बड़ा संकट दुर्जनों की शक्ति नहीं बल्कि सज्जनों की चुप्पी है। समय का कुछ पता नहीं वह युवक/युवती आपके भी घर के हो सकते हैं हमारे भी घर के हो सकते हैं इसलिए अब समाज की सज्जन शक्ति को हर द्वार को खटखटाकर आह्वान करना होगा- 'नशा नरक का द्वार है खोलो बंदे, नैन वरना तुम पछताओगे खोकर सारा चैन।''

राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष जाटव आज आएंगे

ग्वालियर 26 जुलाई। राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष डॉ. कैलाश जाटव ग्वालियर प्रवास पर हैं। वे 27 व 28 जुलाई को ग्वालियर में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। डॉ. जाटव इस दौरान बैठकें लेकर अनुसूचित जाति वर्ग के कल्याण के लिये संचालित योजनाओं की समीक्षा करेंगे। साथ ही जनप्रतिनिधियों से भी चर्चा करेंगे।

13वीं और 14वीं वाहिनी ने लगाया संयुक्त स्वास्थ्य शिविर

ग्वालियर, 26 जुलाई। 13वीं बटालियन परिसर में 13वीं एवं 14वीं बटालियन के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

शिविर का उद्देश्य अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिजनों को विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श एवं स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना था। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा हृदय रोग, स्त्री एवं प्रसूति रोग सामान्य चिकित्सा, अस्थि रोग सहित विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं की जांच एवं परामर्श प्रदान किया गया। इस दौरान उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आपातकालीन परिस्थितियों में जीवन रक्षा हेतु सीपीआर का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया तथा इसके महत्व एवं सही तकनीक की विस्तृत जानकारी दी गई। इस संयुक्त शिविर में 13वीं एवं 14वीं बटालियन के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा उनके परिजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। चिकित्सकों ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और बीमारियों की समय पर पहचान एवं उपचार के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

शिविर में उप सेनानी श्रीमती ऋतु केबरे, सहायक सेनानी मुनेन्द्र सिंह भदौरिया की उपस्थिति में डॉक्टर सतीश गुर्जर, डॉक्टर आकाश मोदी, डॉक्टर ओ.पी. वर्मा, कार्डियोटेक्नीशियन हिमांशु द्वारा पुलिस परिवार के परिजनों एवं पीटीएस में उपस्थित समस्त नव आरक्षकों को सीपीआर एवं चिकित्सकीय परामर्श दिया गया।

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्र 19 वार्ड क्रं 46, भवन क्रं 1751, स्थान निम्बालाकर की गोठ ग्वा0** मे स्थित है जो कि **सुरेश कुमार बाजपेई, देवकीनंदन बाजपेई/रामभरोसेलाल बाजपेई** नाम से नगर निगम मे **आई डी क्रं 1000081878** पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल **2966 वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को **रजिस्ट्रर्ड विक्रय पत्र/मृत्युउपरान्त** द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र महाराज बाडा औषधालय, **क्षे.क्र 19**, पर दिनांक **07.07.2026** को किया गया है। जिसका **आवेदन कार्य क्रं 82/2011/25610/25694** प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता-
श्रीमती प्रणीता बाजपेई, अभिषेक, विवेक बाजपेई/स्व. श्री सुरेश
पता- निम्बालकर की गोठ ग्वा0(म.प्र.)
मो0-934025751
विज्ञप्ति जारी दिनांक-26.07.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्र 20 वार्ड क्रं 51, स्थान श्री कृष्ण कॉलोनी के पास दानी एन्कलेव ग्वा0** मे स्थित है जो कि **राजकुमार थदवानी/उत्तम चन्द्र थदवानी** नाम से नगर निगम मे **आई डी क्रं 9000012919** पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल **1091 वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को **रजिस्ट्रर्ड विक्रय पत्र आर-20072601261306 दिनांक 20.07.2026** द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र 20 सिंधी कॉलोनी बरार समाज, **क्षे.क्र 20**, पर दिनांक **24.07.2026** को किया गया है। जिसका **आवेदन कार्य क्रं 74/2010/65887/65942** प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

**आवेदक का ना